धूल तेरे चरणों की बाबा
धूल तेरे चरणों की बाबा चन्दन और अबीर बनी
जसिने लगाई नजि मस्तक पर उसकी तो तकदीर बनी
धूल तेरे चरणों की बाबा.....

हर वस्तू का मोल है जग में इस वस्तू का मोल नहीं
चरणधूल से बढ़कर जग में चीज कोई अनमोल नहीं
धूल्.....

पार हुई पत्थर की अहल्या चरण धूल को पाने से
भलिनी तर गई राम चरण की रज में डुबकी लगाने से
धूल्.....

जनि चरणों में गंगा बह्ती उन चरणों का करें हम ध्यान
लाखों पत्थर हीरे बनगये चरण-धूल में कर स्नान
धूल.....

तेरे चरणों की महमिा गाएँ युग-युग से ये वेद पुराण
आके श्रद्धा से हम करलें तुमको लाखों बार प्रणाम
धूल्.....

देवता तरसें इस धूली को पावन है कतिनी धूली
लाखों देवता ब्रजि में ढूँढें चरण धूल की कुन्ज गली

धूल तेरे चरणों की बाबा चन्दन और अबीर बनी
जसिने लगाई नजि मस्तक पर उसकी तो तकदीर बनी
धूल तेरे चरणों की बाबा.....